SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Child Caretaker

चाइल्ड केयरटेकर (नॉन-क्लीनिकल) छोटे बच्चों (2 से 6 वर्ष) की रोज़मर्रा की देखभाल करने वाला भरोसेमंद व्यक्ति होता है — वह डे-केयर, क्रेच, प्ले-स्कूल या घर में बच्चों को खाना खिलाता है, नहलाने-शौच में मदद करता है, सुलाता है, और उनके...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6256

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

चाइल्ड केयरटेकर (नॉन-क्लीनिकल) छोटे बच्चों (2 से 6 वर्ष) की रोज़मर्रा की देखभाल करने वाला भरोसेमंद व्यक्ति होता है — वह डे-केयर, क्रेच, प्ले-स्कूल या घर में बच्चों को खाना खिलाता है, नहलाने-शौच में मदद करता है, सुलाता है, और उनके साथ खेल, कहानी व रचनात्मक गतिविधियाँ करता है। इसमें कोई मेडिकल इलाज नहीं होता; ज़ोर बच्चों की सुरक्षा, साफ़-सफ़ाई, स्नेह और स्कूल-पूर्व (प्री-स्कूल) शिक्षा में सहयोग पर रहता है। कामकाजी माता-पिता की बढ़ती संख्या के कारण यह एक स्थिर और दिल से जुड़ा हुआ रोज़गार है, जिसमें धैर्य और गर्मजोशी सबसे बड़ी पूँजी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	8वीं पास + 14 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 3)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह
आरंभिक वेतन	₹9,000–15,000/माह
कार्य-शैली	डे-केयर/क्रेच/घर में पूर्णकालिक देखभाल

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- छोटे बच्चों के साथ समय बिताना और उन्हें सीखते-खेलते देखना अच्छा लगना
- देखभाल, पालन-पोषण और लोगों की मदद करने में रुचि
- खेल, कहानी, गीत और रचनात्मक गतिविधियों में रुचि

क्षमताएँ

- धैर्य — बच्चों की ज़िद, रोना और नखरे शांति से संभालना
- गर्मजोशी और स्नेह — बच्चों को सुरक्षित और प्यार भरा महसूस कराना
- सतर्कता — बच्चों की सुरक्षा और स्वच्छता पर लगातार ध्यान

ज़रूरी कौशल

- बच्चों को खाना खिलाना, नहलाने-शौच में मदद और सुलाने की दिनचर्या संभालना
- उम्र के अनुसार खेल, कहानी, गीत और रचनात्मक गतिविधियाँ कराना

- बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छता और प्राथमिक उपचार (फर्स्ट-एड) की बुनियादी समझ
- माता-पिता और सहकर्मियों से प्रभावी और विनम्र बातचीत
- बच्चों की भावनाओं व व्यवहार को समझकर धैर्य से संभालना
- स्कूल-पूर्व (प्री-स्कूल) शिक्षा में सहयोग — रंग, गिनती, अक्षर व अच्छी आदतें सिखाना
- पोषणयुक्त भोजन तैयार करना और खेल-स्थल व सामग्री व्यवस्थित रखना

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 8 पूरी करें और 14 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. चाइल्ड केयरटेकर (नॉन-क्लीनिकल) ट्रेड में एनएसक्यूएफ लेवल 3 कोर्स के लिए एनएसडीसी/जेएसएस/आरएसएलडीसी केंद्र में नामांकन करें।
3. आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) या प्री-स्कूल टीचर प्रशिक्षण से अपने कौशल को और मज़बूत करें।
4. बुनियादी प्राथमिक उपचार, स्वच्छता और बाल-सुरक्षा (चाइल्ड सेफ़्टी) का अभ्यास करें।
5. किसी डे-केयर, क्रेच, आंगनवाड़ी या प्ले-स्कूल में सहायक के रूप में व्यावहारिक अनुभव लें।
6. अनुभव के साथ केयरटेकर से डे-केयर सुपरवाइज़र और आगे प्री-स्कूल टीचर/सेंटर हेड तक बढ़ें।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राष्ट्रीय लोक सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (NIPCCD) — क्षेत्रीय केंद्र / नई दिल्ली
- महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान (आंगनवाड़ी/ECCE प्रशिक्षण) — जयपुर, राजस्थान (https://wcd.rajasthan.gov.in/)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन / निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- EuroKids – प्री-स्कूल टीचर / ECCE प्रशिक्षण — जयपुर व राजस्थान के अन्य शहर (https://www.eurokidsindia.com/)
- Footprints Childcare – डे-केयर व अर्ली-एजुकेशन प्रशिक्षण — अखिल भारतीय / जयपुर (https://www.footprintseducation.in/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- इग्नू – प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा डिप्लोमा (DECE) — ऑनलाइन / दूरस्थ (https://www.ignou.ac.in/)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत यह कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के प्री-स्कूल टीचर/ECCE प्रशिक्षण की फीस लगभग ₹8,000–30,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान (छात्रवृत्ति) (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

डे-केयर व क्रेच सेंटर, प्ले-स्कूल व मोंटेसरी, आंगनवाड़ी केंद्र, नैनी/आया के रूप में परिवारों के घर, और मैनपॉवर व प्लेसमेंट एजेंसियाँ।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 8–12 घंटे काम होता है; अक्सर बच्चों के माता-पिता के ऑफ़िस समय के अनुसार शिफ्ट रहती है। काम शारीरिक रूप से सक्रिय, धैर्य-भरा और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ होता है। यह क्षेत्र महिलाओं के लिए बड़ी संख्या में अवसर देता है, पर पुरुष भी इसमें आगे बढ़ रहे हैं।

कौन नौकरी देता है

- डे-केयर व प्री-स्कूल चेन (जैसे KLAY, Footprints, EuroKids, Kidzee)
- महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनवाड़ी केंद्र
- कॉर्पोरेट व अस्पताल परिसरों के डे-केयर तथा मैनपॉवर/प्लेसमेंट एजेंसियाँ
- स्थानीय क्रेच, प्ले-स्कूल और मोंटेसरी सेंटर
- कामकाजी माता-पिता के परिवार (नैनी/आया के रूप में)
- एनजीओ व सामुदायिक बाल-देखभाल परियोजनाएँ (जैसे मोबाइल क्रेच)

माँग (2026)

भारत में कामकाजी माता-पिता, विशेषकर नौकरीपेशा माताओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है, जिससे शहरों और कस्बों में डे-केयर, क्रेच और प्ले-स्कूल का विस्तार हो रहा है। KLAY, Footprints और EuroKids जैसी चेन के साथ-साथ आंगनवाड़ी व एनजीओ परियोजनाएँ भी लगातार प्रशिक्षित चाइल्ड केयरटेकर की माँग करती हैं, जिससे यह एक स्थिर और बढ़ता हुआ करियर है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. चाइल्ड केयरटेकर / क्रेच अटेंडेंट
2. डे-केयर सुपरवाइज़र
3. प्री-स्कूल टीचर / सेंटर हेड
4. स्वयं का क्रेच / डे-केयर संचालक (उद्यमी)

कमाई

शुरुआत	₹9,000–15,000/माह
मध्य स्तर	₹16,000–28,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–55,000+/माह

एनसीएस के अनुसार एक चाइल्ड केयरटेकर की आय लगभग ₹10,000–27,000/माह के बीच होती है; वेजइंडिकेटर के अनुसार शुरुआती चाइल्ड केयर वर्कर की आय लगभग ₹16,000 से ऊपर तक जाती है। अनुभव के साथ डे-केयर सुपरवाइज़र, प्री-स्कूल टीचर या अपना क्रेच खोलने पर आय काफ़ी बढ़ जाती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कामकाजी माता-पिता की बढ़ती संख्या के कारण स्थिर और बढ़ती माँग
- बच्चों के साथ स्नेह भरा, संतोषजनक और अर्थपूर्ण काम
- कम शुल्क में प्रशिक्षण और आगे अपना क्रेच/डे-केयर खोलने का अवसर

चुनौतियाँ

- लंबे घंटे और शारीरिक-भावनात्मक रूप से थका देने वाला काम
- बच्चों की सुरक्षा की बड़ी ज़िम्मेदारी और निरंतर सतर्कता
- शुरुआती स्तर पर वेतन सीमित हो सकता है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Priya Krishnan
संस्थापक एवं सीईओ, फाउंडिंग इयर्स लर्निंग सॉल्यूशंस (KLAY डे-केयर व प्री-स्कूल)

एक कामकाजी माँ के रूप में भारत में अच्छे डे-केयर की कमी महसूस करने के बाद प्रिया कृष्णन ने 2011 में बेंगलुरु के व्हाइटफ़ील्ड में अपना पहला केंद्र खोला। इसे उन्होंने KLAY और 'द लिटिल कंपनी' ब्रांड के तहत बढ़ाकर देश के कई शहरों में दर्जनों डे-केयर व प्री-स्कूल केंद्रों की श्रृंखला बना दिया, जो 6 माह से 10 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल व स्कूल-पूर्व शिक्षा देती है। उनकी कहानी दिखाती है कि बच्चों की देखभाल के प्रति समर्पण को कैसे एक बड़े, सम्मानित करियर और उद्यम में बदला जा सकता है।

YourStory · https://yourstory.com/2017/07/priya-krishnan-founding-years-daycare-klay-little-company

Raj Singhal
सह-संस्थापक एवं सीईओ, फुटप्रिंट्स चाइल्डकेयर (डे-केयर व प्ले-स्कूल श्रृंखला)

आईआईटी-दिल्ली के अपने साथियों के साथ मिलकर राज सिंघल ने 2012 में गुड़गांव में फुटप्रिंट्स चाइल्डकेयर का पहला केंद्र शुरू किया, यह मानते हुए कि बच्चों के मस्तिष्क का सबसे अधिक विकास शुरुआती पाँच-छह वर्षों में होता है। तकनीक और पाठ्यक्रम-आधारित देखभाल को जोड़कर उन्होंने इसे देश की एक बड़ी डे-केयर व प्ले-स्कूल श्रृंखला बना दिया। उनकी कहानी दिखाती है कि पुरुष भी आरंभिक बाल्यावस्था देखभाल के क्षेत्र में उद्यमी बनकर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।

YourStory · https://yourstory.com/2015/07/footprints

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – चाइल्ड केयरटेकर (नॉन-क्लीनिकल) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%a1-%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%af%e0%a4%b0%e0%a4%9f%e0%a5%87%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a5%89%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b2%e0%a5%80/

2. वेजइंडिकेटर – चाइल्ड केयर वर्कर वेतन (भारत) — https://wageindicator.org/en-in/work-in-india/role-and-pay/india-child-care-workers

3. महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान — https://wcd.rajasthan.gov.in/

4. एनएसडीसी – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in